

मङ्ग अंजनी के लाल - तेरी जय होवे
 भक्तन के प्रतिपाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - तेरी जय होवे

1

बाल रूप तेरा, सुखदाई
 दीनन के तुम सदा सहाई
 दया करो, दिग्गपाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्ग अंजनी - -

2

समझ के फल, सूरज को द्वाये
 सभी लोक, अंधकार में आये
 हुए, संकट से बेहाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥५॥ मङ्ग अंजनी - -

3

करी विनय सबने, कर जोरे
 मुख बंधन से सूरज होरे
 अरे, ये भी खूब कमाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥६॥ मङ्ग अंजनी - -

४ शंकर रूप, केशरी नंदन
 अलख भुजन में, तेरा वंदन
 अब, जाके मुझे सम्हाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी-

५ सीता हरण किया, व्यामिचारी
 हुये राम व्याकुल, अतिभारी
 उठ माता खोज निकाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- ॥५॥ मङ्गु ऊंजनी-

६ आयुष पाये, ऊंजनी लाला
 राम भजन में है मतवाला
 उड़े, पवन वेण की चाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- ॥६॥ मङ्गु ऊंजनी-

७ बीच समुद्र में टापू आया
 द्विषण भर रुके, विचार मन आया
 खड़ी, सुरसाकरे कमाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- ॥७॥ मङ्गु ऊंजनी-

८ देख के हनुमत को मुँह फाड़ा
 मन में लगा, सुमय है गाढ़ा
 किर, चली हनुमत ने चाल-तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- ॥४॥ मङ्ग अंजनी-

९ ज्यों-ज्यों सुरसा, बदन बढ़ावे
 हनुमत रूप, दुगन दिखलावे
 किये, सुरसा के बेलाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- ॥४॥ मङ्ग अंजनी-

१० सत योजन सुरसा, सुख कीछा
 अति लघु रूप पवन सुत लीन्हा
 उरे, सुख में बैठे लाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- ॥४॥ मङ्ग अंजनी-

११ मुख प्रवेश कर, काम से लौटे
 पल भर को, आराम से बैठे
 रिया, अमय लत्काल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- ॥४॥ मङ्ग अंजनी-

12 सिर न वाये आशेष, जो पाई
 उड़े हनुमान, मात सुध आई
 लाये कष्ट से राम निकाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ माझे अंजनी- - - -

13 मन प्रसन्न था, लंका पाई
 पल न हुआ, लंकनी आई
 महे, मोजन देख, निहाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ माझे अंजनी- - - -

14 कर विनती, हनुमान मनावे-
 स्पौदा लंकनी, बजन आवे-
 फिर, करड़ाला बेहाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ माझे अंजनी- - - -

15 मुष्टी प्रहार, किया ता ऊपर
 रक्त बहा, धरती के ऊपर
 आया याद, चीन्हा तत्काल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ माझे अंजनी- - - -

१६ देख चिन्ह, आगे पग धारे
 मिले विभीषण, तुकित विचारे
 तुम, कालों के भी काल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- ॥४॥ मर्जु अंजनी-

१७ दीन मुद्रिका, वचन उचारे
 बड़े-बड़े योद्धा संघारे
 सुना, लंकपति ने हाल- तेरी जय होवे.
 तेरी जय होवे- ॥५॥ मर्जु अंजनी-

१८ हनुमत आति क्रोध से आये
 मैघनाथ, ब्रह्मास्त्र चलाये
 अरे, बँधे मर्यादा जाल- तेरी जय होवे.
 तेरी जय होवे- ॥६॥ मर्जु अंजनी-

१९ रावण ने हनुमान, को देखा
 अटाहास्य कर, मन मे लेखा
 तू अपनी प्रेह सम्हाल- तेरी जय होवे.
 तेरी जय होवे- ॥७॥ मर्जु अंजनी-

२० सबने पूँह में, आग लगाई
 कृष्ण भर को, कुहशंका आई
 हुई लंका लालो लाल- तेरी जय होवे.
 तेरी जय होवे- ॥१॥ मङ्गु ऊंजनी- - - -

२१ कूद ससुद्र में, आग बुझाई
 माला की सुध, दिल में आई
 तुम जियो, हुजारों स्याल- तेरी जय होवे.
 तेरी जय होवे- ॥२॥ मङ्गु ऊंजनी- - - -

२२ अश्वधार मधुर अतिवानी
 चूड़ामनी दी, अपनी निशानी
 तुम जल्दी आना लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- ॥३॥ मङ्गु ऊंजनी- - - -

२३ लंका जार सिया सुधा लाये
 श्रीराम हुँस, गँडे लगाये
 दिया, चूड़ामनी निकाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी- - - -

24 रावण को सब, मिल समझाये
 अशु विनय कर, नीर बहाये
 अर, भाता दिया निकाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे ॥4॥ मङ्ग ऊंजनी के

25 राम की याद, हृदय में लाये
 नीर नयन से, घार बहाये
 बना विभीषण, काल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे ॥4॥ मङ्ग ऊंजनी के

26 ब्राह्मि - ब्राह्मि कह, शरण में आया
 श्री राम ने, दिग्ब बैठाया
 सब, पूढ़ा उससे हाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे ॥4॥ मङ्ग ऊंजनी के

27 उठकर चरणों में फिर रोया
 लंकपर्वत ने भाई को खोया
 बना विभीषण, ढाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे ॥4॥ मङ्ग ऊंजनी के

28

सबने मिल के, तिलक है कीन्हा

लंकाराज, विभीषण दीन्हा

वह, रहने लगा सुशाहाल-तेरीजय होवे-

तेरीजय होवे- ॥4॥ मङ्ग अंजनी- - -

29

आये समुद्र तीर, सब चल के

सेतु बनाया, फिर हिल-मिल के

सब सेना है सुशाहाल-तेरीजय होवे-

तेरीजय होवे- ॥4॥ मङ्ग अंजनी के- - -

30

सेतु पार किया हिल-मिल कर

भैजा पत्र, लिखा था खुल कर

झुके, लंकपाति के भाल-तेरीजय होवे-

तेरीजय होवे- ॥4॥ मङ्ग अंजनी- - -

31.

जगह-जगह बलशाली ऊँड़े हैं

दोनों दल मैंदान ऊँड़े हैं

लई हैं सबने जधा सम्हाल-तेरीजय होवे-

तेरीजय होवे- ॥4॥ मङ्ग अंजनी- - -

५२ श्रीरामादल, दृट पड़ा है
 दानव दल, धरनी में पड़ा है
 न होड़ो, राष्ट्रतिज-पाताल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - - -

५३ रुक्षित बाण लगा लक्ष्मण को
 लगा मूर्हित, हुये कुहू क्षिण को
 इस, होनी को तू टाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - - -

५४ मूर्हित लक्ष्मण धरनि पड़े हैं
 राम रुदन में यास स्वड़े हैं
 अब लाजो, संजीवनी लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - - -

५५ पवन वेग से उड़े हनुमाना
 लौट प्रभात से पहले आना
 अरे, डोल राया भूचाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥

मङ्गु अंजनी के लाल- - - -

- 36 कठट तनिक नहीं, तन में आया
 दोणागिर परति को, उठाया
 लाये, संजीवनी लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥ मङ्ग ऊंजनी- - - -
- 37 दी संजीवनी, लखन उठ आये
 विमल प्रेम में, ऊँसू आये
 अब, हो गये सभी निहाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥ मङ्ग ऊंजनी- - - -
- 38 पुनः चुहु की, भई तैयारी
 लखन जोशा, में लेंय हुंकारी
 तूने, होनी को दी टाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥ मङ्ग ऊंजनी- - - -
- 39 राम हरष हिय, लखन लगाये
 हिल- मिल आपस में, समझाये
 लो, बैठ गाहै, चौपाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥ मङ्ग ऊंजनीके लाल- - - -

४० सबने मिल के जो, ये ठाना
 लंकपति का नहीं रेकाना
 सब, क्रोध में हो गये लाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी - - - -

४१ दल में अपने - अपने खड़े हैं
 जस पालाल लौं, खम्ब णड़े हैं
 अरे, बना रूप विकराल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी - - - -

४२ घमासान किर, शुरू हो गया
 श्री रामा दल, गुरु हो गया
 चलो अपनी - अपनी चाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी - - - -

४३ ऊंगद हनु मिल के, जो आये
 राम चरण हिय, में घर धाये
 श्री राम बने, रखयाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी के लाल - - - -

- 44** अपने- अपने, बल को रेदखाते
 रावण दल को, मार गिराते
 हुई लंका धरती लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥ मङ्ग ऊंजनी- - - -
- 45** सबको गुस्से में समझाया
 कुम्भकरण से, कहो बुलाया
 खबर करो तत्काल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥५॥ मङ्ग ऊंजनी- - - -
- 46** ढोल, सुदंगा, घड़याल बजाके
 तुरही, धंटा, छांख सुना के
 उसे जगा रहे रणपाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥६॥ मङ्ग ऊंजनी- - - -
- 47** कुम्भकरण उठ के यों बोला
 भूख, लगी अपना मुँह खोला
 मुँह हुआ खून से लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥७॥ मङ्ग ऊंजनी के ठाल- - - -

48

सबने मिल के, खबर सुनाया
 लंकपाति ने, उभी छुलाया
 अब, गरज उठा है काल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी- - - -

49

कुम्भकरण उठ के फिर आया
 लंकपाति के सामने आया
 मुझे, आज्ञा दो प्रतिपाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥५॥ मङ्गु ऊंजनी- - - -

50

कुम्भकरण, उति क्रोध में बोला
 चला समर में, दिवगज डोला
 फिर ऊँचे कर ली लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥६॥ मङ्गु ऊंजनी- - - -

51

लगा गरजने, रणबिच आकर
 पेट भरूँगा, सबको खाकर
 बना दानव दे विकराल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - - ॥७॥ मङ्गु ऊंजनी- - - -

- 52 ऊँगद, हनु, सब कपि मिल घाये
 दानव के रिसर, शिला रेगराये
 उसे लगा ये, मेरे काल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥4॥ मङ्गु ऊँजनी- - - -
- 53 राम लखन, ऊँगद हनुमाना
 सब कपियों ने, मिल के ठाना
 ऊरे, खींचो इसकी खाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥4॥ मङ्गु ऊँजनी- - - -
- 54 सबने मिल के, शक्ति दिखाई
 कुम्भकरण की, मृत्यु आई
 हो गई धरली लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥4॥ मङ्गु ऊँजनी- - - -
- 55 बाण ऊन बिनत, उसे लगे थे
 रिसर पर शिला के, घाव घड़े थे
 लो मिला उसे ऊंतकाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥4॥ मङ्गु ऊँजनी- - - -

56 दानव मार भार कम कीन्हा
 बचा नहीं, दानव का चीन्हा
 उरे बजे, होल और ताल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - -

57 लंकपति सुन के, घबराया
 कुम्भकरण को, मार गिराया
 उसे लगा, ये हैं मेरे काल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - -

58 रोज विभीषण, मिल समझाते
 सोच समझ के, सेना लगाते
 चलीं, बहुल स्पी चाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - -

59 झूँढ का घेरा, हनुमान बनाते
 रास लखन उसमें, सो जाते
 चौंकी हनुमत लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥

मङ्गु अंजनी के लाल

60 होनी ने फिर, रूप दिखाया
 अहिरावण, पाताल से आया
 फिर, चला दानवी चाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - - -

61 भेष कपट का, खूब बनाया
 रेसा लगा, विभीषण आया
 न, यमहो छनुमत लाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - - -

62 अति सहज बन, सामने आया
 होऊँ प्रवेश, अब कीजे दाया
 चल गई, माया चाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - - -

63 नेद्रा में होई, भ्राता सौये
 अहिरावण, दर्शन में खोये
 अरे ले गया को, पाताल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥
 मङ्गु अंजनी के लाल - - - -

- 64 होत प्रभात, उठे होऊ भाता
 आपस में देखें, होऊ भाता
 अब फसे, मौत के जाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्ग अंजनी - - -
- 65 अशुनयन भर, लक्ष्मण बोले
 धरती अस्वर का, दिल डोले
 कैसे हुआ, ये हाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥५॥ मङ्ग अंजनी - - -
- 66 राम प्यार से, बचन उधारे
 अशुनयन भर, नयन उधारे
 धीरज धरो, मेरे लाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥६॥ मङ्ग अंजनी - - -
- 67 आहुरावण हुँसके, यों बोला
 आई होई की, मौत की बेला
 खुश होगी, देवी पताल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥७॥ मङ्ग अंजनी के लाल - - -

- 68 कुहू क्षिण बाद, विभीषण आये
 अब बजरंगी, शंका साये
 ये, कैसी दानवी चाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -
- 69 कुहू क्षण पहुँचे, तुम आये थे
 और प्रवेश भी, तुम पाये थे
 ये, बन गया, स्वरुप स्वबाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -
- 70 बोले विभीषण, कथा कर डाला
 आहिरावण को प्रवेश दे डाला
 और, होनों थे बेहाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -
71. मेरा रूप को, रख लेता हूँ
 कह्यों को, छोखा देता हूँ
 और ले गया को, पाताल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥
 मङ्गु अंजनी के लाल- - -

२२ सुन छजरंगी, क्रोध में आये
 पूँछ लपेट रंग, में जाये
 फिर, तोकी उपनी लाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मर्दी अंजनी - - -

२३ दृशों दिशायें, डोल उठीं हैं
 मन में ज्वाला, भड़क उठी है
 लो, पहुँच गये पाताल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मर्दी अंजनी - - -

२४ राम को सुध, हनुमान की आई
 अंसुअन धार नयन से आई
 अब आओ, अंजनी लाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मर्दी अंजनी - - -

२५ अहिरावण कह, सुन दोऊ भाता
 करो स्नान ध्यान दोऊ भाता
 अब, हुके, दोऊ के भाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥

मर्दी अंजनी के लाल - - -

- 76 देवी पताल की, पूजा की नहीं
 अद्वाहास्य की, बानी चीनही
 अरे, तुम हो पत्यक्ष पताल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - - -
- 77 दोनों के सिर, लिलक किया है
 और खड़ग को, उठा लिया है
 हाई सुशी पाताल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - - -
- 78 हुआ पाताल, विमोर देख के
 दूनक प्रसन्न, पूजा को देख के
 अरे, नंच ऐ, दे-देताल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - - -
- 79 हुये पगड़ मेरे, अंजनी लाला
 राम चरण हैवि, देख विहाला
 बने पंचमुखी, मेरे लाल- तेरी जय होवे-
 तेरी जय होवे- - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी के लाल- - - -

80 गाढ़ा उठा, घनघोर मचाया
 दानव दल का, किया सफाया
 पहुँचा, जहाहरावण अंतकाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - ॥४॥ मर्जु अंजनी - - -

81 अशुनयन से चरण छुआये
 स्वम्भ के बंध से सुक्ल कराये
 तूने, होनी को ही राल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - ॥४॥ मर्जु अंजनी - - -

82 दोनों को कंधे, पर लीनहा
 राम चरण, हिरदे घर लीनहा
 मध्ये आज सभी सुशाहाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - ॥४॥ मर्जु अंजनी - - -

83 पवन केरा से उड़े छुमाना
 दोड़ पताल भूमि पर आना
 स्वके थे, बेहाल - - तेरी जय होवे - -
 तेरी जय होवे - - - ॥४॥ मर्जु अंजनी - - -

84

दूल ने राम, लखन को देखा
 दूल के माग की, बदूली रेखा
 लुम जियो, हुजारों साल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - -

85

हनुमत ने सब, कथा सुनाई
 ऊँसियाँ, ऊँसू से भर आई
 श्री राम मेरे रखपाल - तेरी जय होवे - - -
 तेरी जय होवे - - - - ॥५॥ मङ्गु अंजनी - - -

86

देख विभीषण भी, सकुचाये
 राम को देख नीर भर आये
 अब, कथा है, युद्ध के हाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥६॥ मङ्गु अंजनी - - -

87

बोले विभीषण, कुशल सभी हैं
 ऊप बिना तो, विभल सभी हैं
 ऊरे, चलो राम कुद्ध चाल - तेरी जय होवे - - -
 तेरी जय होवे - - - - ॥७॥ मङ्गु अंजनी - - -

88

होत प्रभात, समर में जाये
 जगह-जगह, बलशाली उड़ाये
 उरे आज सभी सुराहाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी के लाल-

89

बोले लखन, भ्रात मैं जाऊँ
 हो आशीष लौट के जाऊँ
 जा मारूँगा मेघपाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी के - - -

90

लखन जोश में, इतने जाये
 मेघनाथ की, मार गिराये
 फिर, कजीं ताल ये ताल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी के - - -

91

सुन के पुत्र मरे और नाती
 रावण को चिंता, ये स्ताती
 सुन, हुआ बहुत बेहाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी के - - -

92 रावण सुन चुस्से में बैरा
 लगा काल ने, कान है एरा
 अब फसा मौत के जाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी के - - - -

93 राम से मेरा, चुहू बिहड़ा है
 कुम्भकरण मुझ से बिहड़ा है
 ऊरे, मर गये लाखों लाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - - -

94 रावण उठ मैदान में आया
 अपनी चलाय राष्ट्रस्यो माया
 फिर, हुये राम भी लाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - - -

95 बूढ़े थे पर, चुस्सा जाई
 रिक्ष राज ने, ली ऊंडाई
 फिर, ठोकी अपनी ताल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - - -

९६ रावण ने ज्यों ही, पग धारा
 रिक्ष राज ने, धूसा मारा
 मूर्हित हो गया, काल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे ----- ॥५॥ मङ्गु अंजनी -----

९७ सारथी रावण को, लै भागा
 रावण मूर्ही से, जब जागा
 कैसा रूप, बना विकराल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे ----- ॥५॥ मङ्गु अंजनी -----

९८ धनुष बाण और, गदा ललवारे
 दानव सेना, को ललकारे
 उरे हो गये, रामा लाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे ----- ॥५॥ मङ्गु अंजनी -----

९९ कई दिन बीत गये हैं रण में
 शक्ति बची है, अभी रावण में
 सब लूंगा, शीष निकाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे ----- ॥५॥ मङ्गु अंजनी -----

- 100 घमासान था, हर दिन जैसा
 रावण है, जैसा का तैसा
 वो तो फेंके, जाल दे जाल-तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- ॥४॥ मङ्गु अंजनी- ---
- 101 माया से कही, रूप दिखाये
 गगन घरा के, बीच दिखाये
 सब सेना हो गई लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- ॥५॥ मङ्गु अंजनी- ---
- 102 रंग-बिरंगे रूप में आये
 सेना बीच, अग्न वर्षीये
 भये राम क्रोध में लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- ॥६॥ मङ्गु अंजनी- ---
- 105 कपि सेना मिल, शिला गिराये
 रूप बदल के, फिर भग जाये
 चले अनेकों चाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- ॥७॥ मङ्गु अंजनी- ---

104

मेरे पुत्र, मरे ऊर नाती
 बार-बार उसे, चुरसा आती
 अब फसा मैत के जाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मर्णि अंजनी के-

105

अब भी रावण, बाज न आया
 दिन-दूनी कैलाये माया
 ये तो, सुद को रहा सम्हाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मर्णि अंजनी के-

106

सबने मिल के, फिर ये ठाना
 लंकपति को मार गिराना
 हैं, सबके ऊंचे भाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मर्णि अंजनी के-

107

रावण ने, माया दिरबलाई
 कभी स्वयं कभी दिखे परहाई
 फिर, फेंका माया जाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मर्णि अंजनी - - -

108 रोज-रोज की, हेथी माया
 क्रोध सभी को, काफी जाया
 चले कौन सी चाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी- - -

109 मंदोदरी रो- रो, समझाये
 रावण को कहु, समझ न आये
 मेरा, क्या कर लेगा काल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥५॥ मङ्गु ऊंजनी- - -

110 छाथ जोड़ के, विनती कीन्हीं
 राम से रार, काह को लीन्हीं
 बने ये ही, तुम्हारे काल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥६॥ मङ्गु ऊंजनी- - -

111 क्रोध में रावण, ने ललकारा
 क्या कर लेगा, राम हमारा
 मेरे वश में हैं, महाकाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥७॥ मङ्गु ऊंजनी- - -

- 112 राम लखन जब, क्रोध में आये
रावण के, कहै श्रीष गिराये
इसे होड़ रहा क्यों काल- तेरी जय होवे
तेरी जय होवे- - - - ॥५॥ मङ्गु अंजनी- - -
- 113 राम लखन मिल, श्रीष गिराते
रावण के सिर, किर जुड़ जाते
अरे हुये राम बेहाल- तेरी जय होवे-
तेरी जय होवे- - - - ॥५॥ मङ्गु अंजनी- - -
- 114 रोज- रोज का, यही हुवाला
श्रीषा जुड़े, रावण मतवाला
ये पे चलो न कोई चाल- तेरी जय होवे
तेरी जय होवे- - - - ॥५॥ मङ्गु अंजनी- - -
- 115 देखें सबकी, दशा विभीषण
रहे से नहीं, मरेगा रावण
सुद बना, विभीषण काल- तेरी जय होवे
तेरी जय होवे- - - - ॥५॥ मङ्गु अंजनी- - -

116

राम को उपने, पास बुलाया
 ये माव से, फिर समझाया
 तुम पुरे करो, सवाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - -

117

दुकित समझ में, कुहन आये
 नहीं दुह से, भी घबराये
 तुझे किस्य विघ करूँ हलाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - -

118

राम प्यार से, पूहन लागे
 लखन खड़े हैं, सब से जागे
 हल कैंसे करें, सवाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - -

119

सबने मिलकर द्वाकित दिखाई
 रावण सेना भी थर्ही
 हुआ लंकपाल बेहाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी - - -

- 120 बोले राम, मधुर सुसकाये
 और विभीषण, ढिगा बैराये
 कोई, रेसी स्खोज निकाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी - - -
- 121 बोले विभीषण, हाथ जोड़ के
 रावण जायेगा, दुनियाँ होड़ के
 अब देखो, मेरा कमाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी - - -
- 122 मंदोदरी, कहे रावण से
 त्यागो बैर अब, राम लखन से
 मैं सुद हो गई बेहाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी - - -
- 123 क्रोध में आकर, फिर कुद बोला
 हाथ पकड़ कर, दूर ढकेला
 मैं दोनों का हुँ काल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी - - -

124 उशुधारु बहा, फिर बोली
 मानो नाथ, आत्मा डोली
 होगी, उनहोनी लंकपाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -

125 रावण जो मैदान में गजी
 लगा मेघ, जैसे हो गजी
 सब हुये क्रोध में लाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -

126 अंगाद, हनु, सुवर्णीव कपिपगण
 संग साथ मैं, खड़े विभीषण
 हुआ रावण का, बेहाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -

127 राम लखन ने, ज्यों ही देखा
 कुद्दूषण को किया, मन में लैखा
 खम्भ बने दिगपाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -

128

घमार्यान फिर, दुआ भयंकर
 दया करेंगे मेरे, भौले शंकर
 चे हैं, कालों के भी काल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी-

129

चलों शक्तियाँ, दोनों तरफ से
 चमकी बिजली, जैसे नभ से
 चलो मिल के कुह जह चाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी-

130

आज घटा घनघोर, है हाई
 लंकपति की, मृत्यु आई
 बड़े, खुश हैं मेरे लगाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥४॥ मङ्गु ऊंजनी-

131

रावण ने दिल, में ये ठाना
 कनवासी का नहीं ठिकाना
 मैं हनका बनूँगा काल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे- - - - ॥५॥ मङ्गु ऊंजनी-

132 क्रोध में ऊर्ति, हुंकार मचाये
 दुनव विद्या, सूब चलाये
 फिर फेंके जाल-ये-जाल-तेरीजय होवे
 तेरीजय होवे- ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -

133 क्रोध में लक्ष्मण ने ललकारा
 देख सङ्गा, ये भाई लुम्हारा
 तेरा, यही बनेगा काल- तेरीजय होवे
 तेरीजय होवे- ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -

134 लक्ष्मण ने फिर, शक्ति चलाई
 रावण ने तुरत है, लौटा है
 ऊरे, चलीं तलवारें, ढाल- तेरीजय होवे
 तेरीजय होवे- ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -

135 ऊर्ति विवित्र, फिर मेष बनाया
 हृष्ण भर की थी, उसकी माया
 हुआ, रामाद्वाल सुशाहाल.. तेरीजय होवे
 तेरीजय होवे- ॥४॥ मङ्गु अंजनी- - -

136 हूल बल करके, लगा डराने
 किसको पड़ी जो, हसकी माने
 दिखे रावण जैसा काल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मर्जु अंजनीके - - - -

137 बोले विभीषण, सुनो रघुराहु
 रावण मृत्यु निकट, अब आहु
 तुम दिखा दो, अपना कमाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥५॥ मर्जु अंजनी - - - -

138 राम ने अपनी, शुक्रित चलाहु
 रावण समझ गया चलुराहु
 औरे; केका माया जाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥६॥ मर्जु अंजनी - - - -

139 बोले राम, माधुरी बानी
 आये विभीषण, चुक्रित बतानी
 तुम बन जाओ, हसके काल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥७॥ मर्जु अंजनीके - - - -

140 अमृत कुँड बना, नारीभ में
कभी बताया था, भाई ने
लो, बिह गये, मौत के जाल - तेरी जय होवे
तेरी जय होवे - - - ॥४॥ मृत्यु अंजनी - - -

141 चुकित समझ गये, रघुराई
रावण ऊपर शुकित, चलाई
हुआ लंकपति बेहाल - तेरी जय होवे
तेरी जय होवे - - - ॥५॥ मृत्यु अंजनी - - -

142 जेब लाल कर, बोला रावण
मारूँगा तुझे, उम्मज विभीषण
मैं सबका ही हूँ काल - तेरी जय होवे
तेरी जय होवे - - - ॥६॥ मृत्यु अंजनी - - -

143 राम लखन से, कहें सुन भ्राता
रावण मारूँ, होत प्रभाता
तुम रखना खुद को सम्भाल - तेरी जय होवे
तेरी जय होवे - - - ॥७॥ मृत्यु अंजनी - - -

144 रण में बाँकुरे, दोनों भाई
 माता उग्रन की, शक्ति चलाई
 हुजा, नारीभ कुण्ड बेहाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - ॥४॥ मङ्ग अंजनी - -

145 ऊबन वाण लगा, नारीभ में
 रावण लगा, तड़पने दिल में
 करें लक्ष्मन खब कमाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - ॥५॥ मङ्ग अंजनी के - -

146 राम-लखन मिल, सबने मारा
 ऊंगा-भांग रावण, कर डारा
 किया रामा दल ने, हलाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - ॥६॥ मङ्ग अंजनी - -

147 मृत्यु देख, सुमन खुद बरसे
 एक दूजे से, मिल के हषे
 बजे, शंख, नगाड़े ताल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - ॥७॥ मङ्ग अंजनी - -

- 148 ब्रूँजा भागन, कुन्दुभी बाजी
 ढोल नगाड़े, शंख छुन बाजी
 मिल सबने किया कमाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - ॥४॥ मर्दु ऊंजनी - -
- 149 लंका नगरी में, शांति हाई
 हुँस के बोले, मेरे रघुराई
 औ विभीषण राज सम्भाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - ॥४॥ मर्दु ऊंजनी - -
- 150 हिल-मिल बैठे, फिर रघुराई
 सीता की सुध, हिय में आई
 ऊब, हुये राम बेहाल - तेरी जय होवे - -
 तेरी जय होवे - - - ॥४॥ मर्दु ऊंजनी - -
- 151 आदर सहित फिर सीता बुलाई
 नयन नीर, मर के जो आई
 जाति प्रसन्न थे हाल - तेरी जय होवे - -
 तेरी जय होवे - - - ॥४॥ मर्दु ऊंजनी - -

152

पुष्पक यान में, हिल मिल बैठे
 साथ विभीषण, भी हैं बैठे
 चले जवध बिहारी भाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे --- ॥४॥ मङ्गु अंजनी---

153

सुनी भरत व्याकुल उठ घाये
 श्रीराम हँस गले लगाये
 पूरी जवध पुरी खुशाहाल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे --- ॥४॥ मङ्गु अंजनी---

154

हरष उठे, सब मिल, नर- नारी
 राज तिलक की, झई तैयारी
 सब नंच रहे, दे-दे ताल- तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे --- ॥४॥ मङ्गु अंजनी---

155

राम सिया संग, लखन भी उगाये
 युसु चरणों में, श्रीष नवाये
 सब देख हुये खुशाहाल- तेरी जय होवे---
 तेरी जय होवे --- ॥५॥ मङ्गु अंजनी केलाल---

- 156 हृष्य हरषी, माता जी आहे
 भरत दानुधन, दोनों भाई
 झांहें पा के हुये निहाल.. तेरी जय होवे--
 तेरी जय होवे-- ॥५॥ मळूळ अंजनी---
- 157 सबने राज तिलक, मिल की-हा
 आज विधाता ने, दिन दी-हा
 ठिण बैठे, अंजनी लाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे-- ॥५॥ मळूळ अंजनी--
- 158 भरत हुषी में, नीर बहायें
 स्वोल सजाने, सूब लुटायें
 किया, सबको मालामाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे-- ॥५॥ मळूळ अंजनी---
- 159 सबने हिल- मिल, विदा कराई
 प्रेम मिठ्ठन की, जोत जलाई
 हुये, रो-रो के बेहाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे-- ॥५॥ मळूळ अंजनी---

160

अशु बहाँय, कहे हुनुमाना
 नाथ चरण में, मिले रिकाना
 लो, अभ्य मिला तत्काल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥४॥ मङ्ग अंजनी - - -

161

राम राज में, पजा सुखारी
 दीनन के प्रभु हो हितकारी
 हुई, दशों दिशा सुशाहाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥५॥ मङ्ग अंजनी - - -

162

थी सीताराम जी से जो भी पाया
 "थीबाबाथी" पर, आपकी हाया
 प्रभु पार करो हरहाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - तेरी जय होवे
 मङ्ग अंजनी के लाल - तेरी जय होवे
 मकतन के प्रतियाल - तेरी जय होवे
 तेरी जय होवे - - - - ॥६॥
 मङ्ग अंजनी के लाल